**भारत सरकार**
**पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय**

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न सं. **5536** जिसका उत्तर
**शुक्रवार, 27 मार्च, 2026/06 चैत्र, 1948 (शक)** को दिया जाना है

**महाराष्ट्र में पत्तन**

**†5536. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे :**

**क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) महाराष्ट्र में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) की विस्तार संबंधी योजनाएं क्या हैं;
(ख) महाराष्ट्र के पालघर जिले में वाधवन पत्तन की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) यह नया पत्तन किस प्रकार निर्यात को बढ़ावा देगा और कारोबारी सुगमता में सुधार करेगा;
(घ) कार्गो के टर्न-अराउंड समय को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ङ) महाराष्ट्र के पत्तनों के साथ-साथ देश भर के प्रमुख पत्तनों की क्षमता के उपयोग को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(च) जेएनपीटी और मुंबई पत्तन जैसे प्रमुख पत्तनों में रोजगार को बढ़ावा देने के साथ-साथ पूंजीगत निवेश को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री**
**(श्री सर्बानंद सोणोवाल)**

**(क) से (ग):** जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास (जेएनपीटी) की विस्तार योजनाओं में भारत मुंबई कंटेनर टर्मिनल (बीएमसीटी) के द्वितीय चरण को चालू करना, न्हावा शेवा फ्रीपोर्ट टर्मिनल (एनएसएफटी), न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल (एनएसडीटी) और महाराष्ट्र के पालघर जिले में वधावन पत्तन के माध्यम से हैंडलिंग क्षमताओं को बढ़ाना तथा अत्याधुनिक कृषि-प्रसंस्करण सुविधा एवं भंडारण सुविधा के माध्यम से रिक्त भू-खंडों का मुद्रीकरण करना शामिल है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 जून, 2024 को वधावन पत्तन परियोजना को अनुमोदित किया, और तटवर्ती भूमि सुधार का कार्य शुरू हो गया है। अपनी 20 मीटर की प्राकृतिक गहराई के साथ वधावन पत्तन दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जलयानों (24,000 टीईयू तक) को समायोजित करने में सक्षम है, जिससे कोलंबो या सिंगापुर जैसे विदेशी पत्तनों पर महंगे ट्रांसशिपमेंट की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। समर्पित फ्रेट

कॉरिडोर (डीएफसी) और मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे से इसकी निकटता उत्तर और पश्चिम भारत से होने वाले एक्जिम व्यापार के पारगमन समय में निश्चित ही पर्याप्त कमी आएगी।

**(घ) से (ङ)**: महाराष्ट्र के पत्तनों सहित महापत्तन प्राधिकरण कार्गो के 'टर्न-अराउंड' समय में और आर्थिक कमी लाने के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं, जैसे कि बर्थों का मशीनीकरण, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं का कार्यान्वयन, सागरमाला योजना के माध्यम से पत्तन-आधारित औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना और प्रक्रियाओं और पद्धतियों का डिजिटलीकरण करना। क्षमता उपयोग बढ़ाने के लिए, महापत्तनों ने कई पहलें की हैं, जैसे अतिरिक्त कार्गो को आकर्षित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की सहभागिता बढ़ाना, कार्गो संबंधित शुल्कों (सीआरसी) और जलयान संबंधित शुल्कों (वीआरसी) पर रियायतें देना, पत्तन प्रचालन के मशीनीकरण, आधुनिकीकरण और स्वचालन को बढ़ावा देना तथा बड़े जलयानों की हैंडलिंग को सक्षम करने के लिए ड्राफ्ट बढ़ाना। इन उपायों का उद्देश्य प्रचालन दक्षता में सुधार करना और उच्च कार्गो मात्रा को आकर्षित करना है।

**(च):** जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण ने सिडको के साथ साझेदारी में, स्थानीय युवाओं को समुद्री और लॉजिस्टिक्स संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 'सिडको-जेएनपीए बहु-कौशल विकास केंद्र' स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, जेएनपीए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में निवेश के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं।

मुंबई पत्तन प्राधिकरण ने अपनी विभिन्न परियोजनाओं जैसे कि तीसरे रसायन बर्थ (टीसीबी) के निर्माण, महाराष्ट्र में मैलेट बंदर फिशिंग हार्बर के विकास, समुद्री तेल टर्मिनल पर स्वचालन प्रणाली के कार्यान्वयन और इंदिरा डॉक में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल के उन्नयन तथा आधुनिकीकरण के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।

*****